(a) whether lakhs of families at present engaged in foodgrain trade are feared to face unemployment as a result of taking over of wholesale trade by Government.

(b) if so, what are the details of the scheme for providing alternative employment to them to safeguard the interests of the said families; and

(c) if not, the reasons therefor ?]

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहेब शिन्दे) : (क) आगामी रबी और खरीफ मौसमों से गेहूं और चावल के थोक व्यापार को लेने की योजना को कार्यान्वित करने के परिणामस्वरूप खाद्यान्न व्यापार में नये लोगों में कोई खास बेरोजगारी नहीं फैलेगी क्योंकि ये व्यापारी गेहूं और चावल के अलावा खाद्यान्नों और अन्य विभिन्न कृषि जिन्सों में व्यापार करते रहेंगे ।

(ख) और (ग) प्रश्न ही नही उठते ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB SHINDE) : (a) The implementation of the scheme of takeover of wholesale trade in wheat and rice from the coming rabi and kharif seasons, is not likely to result in any appreciable unemployment of persons engaged in the foodgrains trade because these dealers will continue to deal in foodgrains other than wheat and rice, and various other agricultural commodities.

(b) and (c) Do not arise.]

NUMBER OF DOCTORS REQUIRED FOR DISPENSARIES IN VILLAGES

1847. SHRI DAHYABHAI V.
SHRI M. K. MOHTA :
SHRI K. C. PANDA :
SHRI LOKANATH MISRA :
SHRI SUNDAR MANI PATEL :
SHRI P. S. PATIL :

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY PLANNING be pleased to state :

(a) the number of doctors required to man various dispensaries in villages;

(b) the number of doctors who are at present manning such dispensaries; and

(c) whether efforts are being made to ensure that all dispensaries in villages are properly manned ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (PROF. A. K. KISKU) : (a) and (b) As on 30th September, 1972, there were 5195 Primary Health Centres functioning in the country. The requirement of doctors to man these PHCs was 10,390. Actually there were 8.094 doctors in position.

(c) Yes.

राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण

1848. **श्री जगदीश प्रसाद माथुर :** क्या **नौवहन और परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने इस आशय के स्पष्ट निदेश जारी किए हैं कि राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण केवल पेवर मशीनों की सहायता से ही किया जाना चाहिए ;

(ख) क्या यह सच है कि जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजपथ के निर्माण के लिए टेंडर आमन्त्रित किए गए थे और वर्तमान ठेकेदारों को बहुत ऊंची दरों पर पांच वर्ष के लिए इस राजमार्ग का निर्माण कार्य सौंपा गया है; यदि हां तो इसके क्या कारण हैं और सरकार को इसके लिए कितनी अतिरिक्त धन-राशि का भुगतान करना पड़ेगा ; और

(ग) क्या यह सच है कि जयपुर-अजमेर सड़क का निर्माण कार्य पेवर मशीनों की सहायता से नहीं किया जा रहा और यदि हां, तो उसके क्या कारण है ?

†[ ] English translation.